# GANDHIAN IDEOLOGY-1

FOR:P.G.SEM-3,CC-13,UNIT-2

BY:ARUN KUMAR RAI
ASST.PROFESSOR
P.G.DEPT.OF HISTORY
MAHARAJA COLLEGE
ARA.

# गांधीजी के बारे में

- ***बापू*** एवं ***राष्ट्र पिता*** के सम्मान से सम्मानित महात्मा गांधी अपने सत्य ,अहिंसा,सत्याग्रह के साधनों से भारतीय राजनीतिक मंच पर 1919 से लेकर 1948 तक छाए रहे। गांधी जी के इस कार्य-काल को भारतीय इतिहास में ***गांधी-युग*** के नाम से जाना जाता है। **जे.एच.होम्स** ने कहा कि- गांधी की गणना विगत युगों के महान व्यक्तियों से की जा सकती है ,वे अल्फ्रेड,वाशिंगटन तथा लैफ्टे की तरह एक महान राष्ट्र निर्माता थे। उन्होंने विलबरफोर्स, गैरिसन

# गांधीजी के बारे में

और लिंकन की भांति भारत को दासता से मुक्त कराने का महत्वपूर्ण कार्य किया। वे संेट फ्रांसिस एवं टाल्सटाय की अहिंसा के उपदेशक और बुद्ध,ईसा और जोरास्टर की तरह आध्यात्मिक नेता थे।

- भारतीय राजनीति में गांधी का मूल्यांकन विभिन्न रूपों में की गई है किसी ने उन्हें **अर्धनग्न फकीर** कहा है तो किसी ने **राष्ट्रपिता** एवं किसी अन्य ने उन्हें **राजनीतिक संत** का दर्जा दिया है। ऐसे में उनके आंदोलन के तरीकों तथा विचारधारा के बारे में जानना आवश्यक है।

# संक्षिप्त जीवन परिचय

- गांधी जी का जन्म **2 अक्टूबर1869** को काठियावाड़ के **पोरबंदर** नामक स्थान पर हुआ था |इनका पूरा नाम **मोहनदास करमचंद गांधी** था इनके पिता करमचंद गांधी पोरबंदर रियासत के दीवान थे। 12 वर्ष की आयु में राजकोट के अल्फ्रेड हाई स्कूल में इन्होंने दाखिला लिया। 1887 में मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद गांधीजी बैरिस्टर की पढ़ाई के लिए इंग्लैंड गये। वहां **दादा भाई नौरोजी** के संरक्षण में रहे। इसी समय उन्हें **अर्नाल्ड** द्वारा अनुदित श्रीमद्भागवत गीता का अंग्रेजी

# संक्षिप्त जीवन परिचय

रूपांतरण **The song celestial** तथा **एशिया की रोशनी(The Light of Asia)** के अध्ययन का अवसर मिला जिनका इनके जीवन पर काफी प्रभाव पड़ा |वकालत की परीक्षा पास कर वे 1891 ईसवी में राजकोट लौट आए| अप्रैल 1893 में **अब्दुल्ला एंड कंपनी** के निमंत्रण पर गांधीजी दक्षिण अफ्रीका गये| वहां उन्होंने काले( अफ्रीका तथा भारतीय) लोगों से रंगभेद की नीति के विरूद्ध विरोध प्रकट किया|फिर **नटाल भारतीय कांग्रेस** बनाई और जेल गए|

# संक्षिप्त जीवन परिचय

- उन्होंने **एशियाटिक(काले लोगों का)अधिनियम(Asiatic Black Act)और ट्रांसवाल देशांतर वास अधिनियम (Transvaal Immigration Act)** के विरुद्ध भी विरोध प्रकट किया और अहिंसात्मक आंदोलन आरंभ किया ।इस लड़ाई में उन्हें जीत मिली तथा 1914 में दक्षिण अफ्रीका के सरकार ने भारतीयों के विरुद्ध अधिकतर कानून रद्द कर दिए ।गोरी सरकार के विरूद्ध गांधी जी ने सत्याग्रह का पहला प्रयोग यही किया|

# गांधीजी की वापसी

- 1915 में वे भारत वापस आये और **गोपाल कृष्ण गोखले** को अपना राजनीतिक गुरु बनाया। भारत आने पर गांधी जी ने गुजरात प्रांत के अहमदाबाद जिले में साबरमती नदी के किनारे **साबरमती आश्रम** की स्थापना की। आने वाले कुछ समय तक वह भारतीय स्थिति का अध्ययन करते रहे।1917 के **चंपारण सत्याग्रह** के अंतर्गत गांधी जी ने बिहार के चंपारण जिले में नील की खेती करने वाले किसानों पर यूरोपीय

# आरंभिक आंदोलन

मालिकों द्वारा किए जा रहे अत्याचारों के खिलाफ आंदोलन चलाया जिसमें उन्हें सफलता मिली। आंदोलन के इन्हीं दिनों में **रविंद्र नाथ टैगोर** ने सर्वप्रथम गांधी जी को **महात्मा** की उपाधि दी। 1918 में गांधी जी ने गुजरात के **खेड़ा** में अधिक कर के विरुद्ध आंदोलन का नेतृत्व किया तथा कर की दर कम करवाने में उन्हें सफलता मिली। 1918 में ही गांधीजी ने **अहमदाबाद के मिल** मजदूरों की वेतन वृद्धि के लिए आमरण अनशन किया जिसमें उन्हें सफलता मिली।

# आरंभिक आंदोलन

इस प्रकार चंपारण खेड़ा तथा अहमदाबाद जैसे  आंदोलनों ने संघर्ष के गांधीवादी तरीकों का अजमाने का अवसर प्रदान किया साथ ही साथ  गांधी को  देश की जनता के नजदीक आने और उसकी समस्याओं को समझने का अवसर मिला। दक्षिण अफ्रीका की रणनीति को भारत में अजमाने का मौका मिला। इन आंदोलनों ने गांधी को भारतीय जनता के बीच अपनी पहचान बनाने में सहायता  की ।

# गांधी जी के आंदोलन

- गांधीजी चुके गोखले से प्रभावित थे इसलिए उन्होंने भारतीय राजनीति में ब्रिटिश सरकार के सहयोगी के रूप में प्रवेश किया किंतु रॉलेक्ट एक्ट एवं जालियावाला बाग  हत्याकांड ने अंग्रेजों के सहयोगी गांधी को असहयोगी बना दिया।गांधी जी ने **1919** में **खिलाफत आंदोलन** का नेतृत्व किया **1920 से 22** तक **असहयोग आंदोलन** चलाया। **1930**  में  **सविनय अवज्ञा आंदोलन** की शुरुआत  की। कांग्रेस के प्रतिनिधि के रूप में उन्होंने लंदन में सितंबर **1931** में **द्वितीय गोलमेज परिषद** में भाग लिया।

# गांधी जी के आंदोलन

- 1940 में गांधी जी ने **व्यक्तिगत सविनय अवज्ञा आंदोलन** शुरू किया | 1942 में गांधी जी ने असहयोग  तथा सविनय अवज्ञा से एक कदम आगे बढ़कर अंग्रेजों **भारत छोड़ो** का आह्वान कर दिया| उनके अथक प्रयासों के फलस्वरूप ही  15 अगस्त 1947 को देश आजाद हुआ| 30 जनवरी 1948 को दिल्ली के बिड़ला भवन में प्रार्थना स्थल की ओर जाते हुए एक अतिवादी **नाथूराम विनायक गोडसे** के गोली के शिकार बन गये|

# गांधी दर्शन की पृष्ठभूमि

गांधी जी के दर्शन का उद्भव मूल्यत: धर्म की पृष्ठभूमि में हुआ है। उनका मानना था कि जीवन के हर क्रियाकलाप में धर्म को स्थान दिया जाना चाहिए सर्वधर्म समभाव के पुजारी गांधीजी पर अनेक धर्मों का प्रभाव पड़ा है । वह हिंदू धर्म ग्रंथों, **रामायण ,महाभारत ,श्रीमद्भागवत गीता** से काफी प्रभावित थे । **वेदांत** का उन पर बहुत प्रभाव पड़ा। वे **जैन और बौद्ध धर्म** से प्रभावित थे। जैन धर्म के सत्य ,अहिंसा, अस्तेय, अपरिग्रह और ब्रह्मचर्य ने उनको बड़ा प्रभावित किया।

# गांधी  दर्शन की पृष्ठभूमि

- गांधीजी दक्षिण अफ्रीका के प्रवास काल में **बाईबल** तथा **इस्लाम** ग्रंथों का भी अध्ययन किया |**सरमन ऑन द माउंट** में **ईसा मसीह** की शिक्षा का उन पर बड़ा प्रभाव पड़ा जिसमें कहा गया है कि बुराई को अच्छाई से जितना चाहिए, अपने शत्रु को प्यार करो गांधी जी ने **इस्लाम** से **एकेश्वरवाद** और **भाईचारे** को ग्रहण किया|

# गांधी दर्शन की पृष्ठभूमि

- गांधीजी चीनी दार्शनिक **लाओ त्से** और **कन्फ्युशियस** से भी प्रभावित थे। **लाओ त्से** ने कहा था कि- जो मेरे प्रति अच्छे हैं मैं उनके लिए अच्छा हूं जो मेरे प्रति अच्छे नहीं हैं उनके प्रति भी मैं अच्छा हूं।इस प्रकार सभी अच्छे होते जाएंगे। **कन्फ्यूशियस** ने साहस धैर्य एवं सद्भावना के शिक्षा दी ।
- धर्मनिरपेक्षता संबंधी विचारों में **थोरो**, **रस्किन**और **टॉलस्टॉय** से गांधीजी प्रभावित थे। राजनीतिक चिंतन में **थोरो** के निबंध(**Essay on Civil Disobedience**) का प्रत्यक्ष प्रभाव गांधीजी के सविनय अवज्ञा पर पड़ा।

# गांधी दर्शन की पृष्ठभूमि

- गांधी ने **रस्किन** की पुस्तक **(Unto the Last)**और **Crown of Wild Olives** से **शारीरिक श्रम** का आदर करना सीखा। अपनी आत्मकथा में वे कहते हैं -सर्वहित (सर्वोदय) में ही स्वहित निहित होता है ,एक वकील के काम का तथा एक नाई के काम का मूल्य सामाजिक दृष्टि से समान है क्योंकि दोनों को आजीविका कमाने का अधिकार है तथा मेहनतकशों अर्थात कृषकों, मजदूरों एवं शिल्पी का जीवन ही सच्चा जीवन है।

# गांधी दर्शन की पृष्ठभूमि

- गांधी के दर्शन पर **टॉलस्टॉय** की पुस्तक**( The kingdom of God is within you )** का गहरा प्रभाव पड़ा। इसने गांधी जी को पक्का **अहिंसा वादी** बनाया। गांधीजी ने अहिंसा को मन, वचन, कर्म तीनों में ही स्वीकार किया है जबकि टॉलस्टॉय ने अपने को केवल कर्म तक ही सीमित किया है।

To be continued.....